parties in the news bulletins. The news items are included on the basis of their news value their being in accordance with guidelines. The statements made by the Prime Minister have policy implications and his address to the national convention of the Janata Dal (S) were, therefore, included in the Doordarshan news bulletins.

Visit of Amnesty International Team to India

760. SHRIMATI SATYA BAHIN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that an Amnesty International Team visited India in the recent past;

(b) if so, what was the number of members of the team with details of countries they belonged to;

(c) the parts of the country they visited and the persons/authorities/organisations/parties they contacted;

(d) what was the objective of their visit to India and who sponsored them for the visit; and

(e) what is Government's reaction to their visits?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) to (e) A team consisting of three members of the Amnesty International (2 British and 1 Senegalese) visited India to attend the Third World Congress on the Human Rights at New Delhi from 10th to 15th December, 1990 and Leadership training Workshop at Telegaon Debhade, Pune from 16th to 21st December, 1990. The Third World Congress on Human Rights, New Delhi was co-sponsored by the Governments of Denmark, Netherlands and Norway and the Leadership Training Workshop was organised by the India Section of Amnesty International with the cooperation of Dutch Section of Amnesty International. The congress was held with the approval of Government and representative of Ministry of External Affairs was associated in the preparatory committee. It is expected that such visits will encourage a dialogue that will lead to an objective appraisal of the situation prevailing in the country.

दिल्ली में केन्द्रीय भण्डारों से खराब सामान का हटाया जाना

761. श्री अजीत जोगी :
कुमारी अनिता :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ समय पूर्व केन्द्रीय भण्डार दिल्ली की दुकानों से 1.5 लाख रुपये का खराब माल हटाया गया था ;

(ख) क्या खराब हुए सामान की वास्तविक जांच पर उसे कम मूल्य का पाया गया ;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या इस मामले में कोई जांच कराई गई है ; और

(ङ) यदि हां, तो उसका क्या परिणाम निकला है ?

प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (श्री कमल मोरारका) : (क) से (ङ) केन्द्रीय भण्डार के अधिकारियों द्वारा इसकी कुछ परचून दुकानों की की गई जांच से यह पता लगा है कि क्षतिग्रस्त सामग्री जो बिक्री के लिए उपयुक्त नहीं है कई सालों से एकत्रित होती जा रही थी और इस सामग्री ने, ग्राहकों के सामने एक बहुत ही बेढंगी तस्वीर प्रस्तुत करने के अतिरिक्त भण्डार का बहुत सा महत्वपूर्ण स्थान घेर रखा था । अतः केन्द्रीय भण्डार के प्रबन्धकों ने विभिन्न परचून दुकानों (जिनमें इसके चलते फिरते वाहन भी शामिल हैं, से जिनकी उस समय कुल संख्या 58 थी, खराब माल उठाने का निर्णय लिया था।

भण्डारों में से इस माल को उठाए जाने तथा उसे बदलने अथवा नष्ट करने के लिए सुझाव देने के प्रयोजन से एक खराब माल-संबंधी समिति का गठन किया गया था।

2. तदनुसार 1.98 लाख की कीमत के इस खराब माल को सभी परचून दुकानों से जून-जुलाई 1989 में उठा लिया गया था और केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के औपचारिक अनुमोदन से, इस माल को केन्द्रीय भण्डार के मुख्य कार्यालय के समीपवर्ती भवन के एक भाग में रख दिया गया था। 16 दिसम्बर, 1989 को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के प्राधिकारियों ने इस खराब माल को उक्त भवन से उठा दिया था क्योंकि उन्होंने इस स्थान को किसी अन्य सरकारी विभाग को सौंपना था। ऐसा करते हुए इस खराब सामग्री को इससे पहले कि इसे इकट्ठा करके भवन के गैरिज में रखा जाता, एक खुले स्थान पर रख दिया था।

3. 19-12-1989 को केन्द्रीय भण्डार ने सांविधिक तथा आन्तरिक लेखा परीक्षकों को इस खराब माल का तत्काल सत्यापन करने के लिये अनुरोध किया। लेखा परीक्षक की रिपोर्ट से यह पता चलता है कि दर्ज की गई मूल कीमत के मुकाबले में यह खराब सामान कम हो गया था। यह कमी इस खराब माल को एक स्थान से दूसरे स्थान पर रखने तथा समय के साथ साथ इसके खराब हो जाने के कारण हुई थी।

4. इस बात को मद्दे नजर रखते हुए कि केन्द्रीय भण्डार से वर्ष 1983-84 से ले कर वर्ष 1988-89 तक 4379 लाख रुपये का कारोबार रहा था जिसमें से सोसायटी द्वारा बेचे गए कुल सामान के मुकाबले में खराब हुए सामान की कुल कीमत केवल 0.05% बैठती है। इस अवधि के दौरान इस किस्म के नुकसान को पूरा करने के लिये 2.33 लाख रुपये की व्यवस्था की हुई है।

5. फिर भी 3-9-1990 को पूछे गए लोक सभा के तारांकित प्रश्न संख्या 347 के अपने उत्तर में प्रधान मंत्री की ओर से माननीय मंत्री द्वारा दिये गए एक आश्वासन के अनुसरण में कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के मुख्य सतर्कता अधिकारी को उक्त खराब सामग्री की जांच करने का कार्य सौंपा गया है। इसके निष्कर्षों की प्रतीक्षा की जा रही है।

Arsenals used in Gulf war

762. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have studied the different arsenals used by Iraq and allied forces in the Gulf war recently; and

(b) if so, what kind of strategy Government will adopt for the defence sector of the nation in view of these latest arsenals?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI LALIT VIJAY SINGH): (a) and (b) An objective and comprehensive study of the performance of the weapon systems used by both the sides can be undertaken after the war is over, assuming that there shall be no difficulty about the availability of reliable information.

One family one job norms

763. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Deputy Prime Minister has recently advocated for one family one job norms for Government Services;

(b) if so, what is the reaction of Government in this regard; and

(c) by when Government propose to implement one family one job norm in Government Services?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI KAMAL MORARKA): (a) In one of his speeches, referring to the problem of